ग्रामीण जीवन

(पत्र)

6

प्रिय मित्र दिपांशु,

सप्रेम नमस्ते।

तुम्हारा पत्र मिला। मैं तुम्हारे पत्र का उत्तर *शीघ्रता* से इसलिए नहीं दे सका, क्योंकि इस बार मैं गर्मी की छुट्टियों में अपने दादा और दादी के पास गाँव चला गया था। वहाँ मुझे इतना अच्छा लगा कि वहाँ से वापस आने का *मन* ही नहीं कर रहा था।

मित्र! *ग्राम्य* जीवन की जितनी *तारीफ* की जाए, उतनी ही कम है। वास्तव में, गांधी जी का यह कथन– "भारत गाँवों में बसता है" बिलकुल सत्य है। मैंने भी यह *अनुभव* किया कि भारत का सच्चा सौंदर्य गाँवों में ही है। यहाँ लोगों में 'सादा जीवन उच्च विचार' की झलक दिखाई देती है। ये लोग हृदय से सीधे, सच्चे और पवित्र होते हैं। प्यार और स्नेह तो इनके अंदर कूट-कूट कर भरा होता है। छल-कपट से तो कोसों दूर रहते हैं। ये लोग बहुत ही ईमानदार और *अतिथि* का *सत्कार* करने वाले होते हैं।

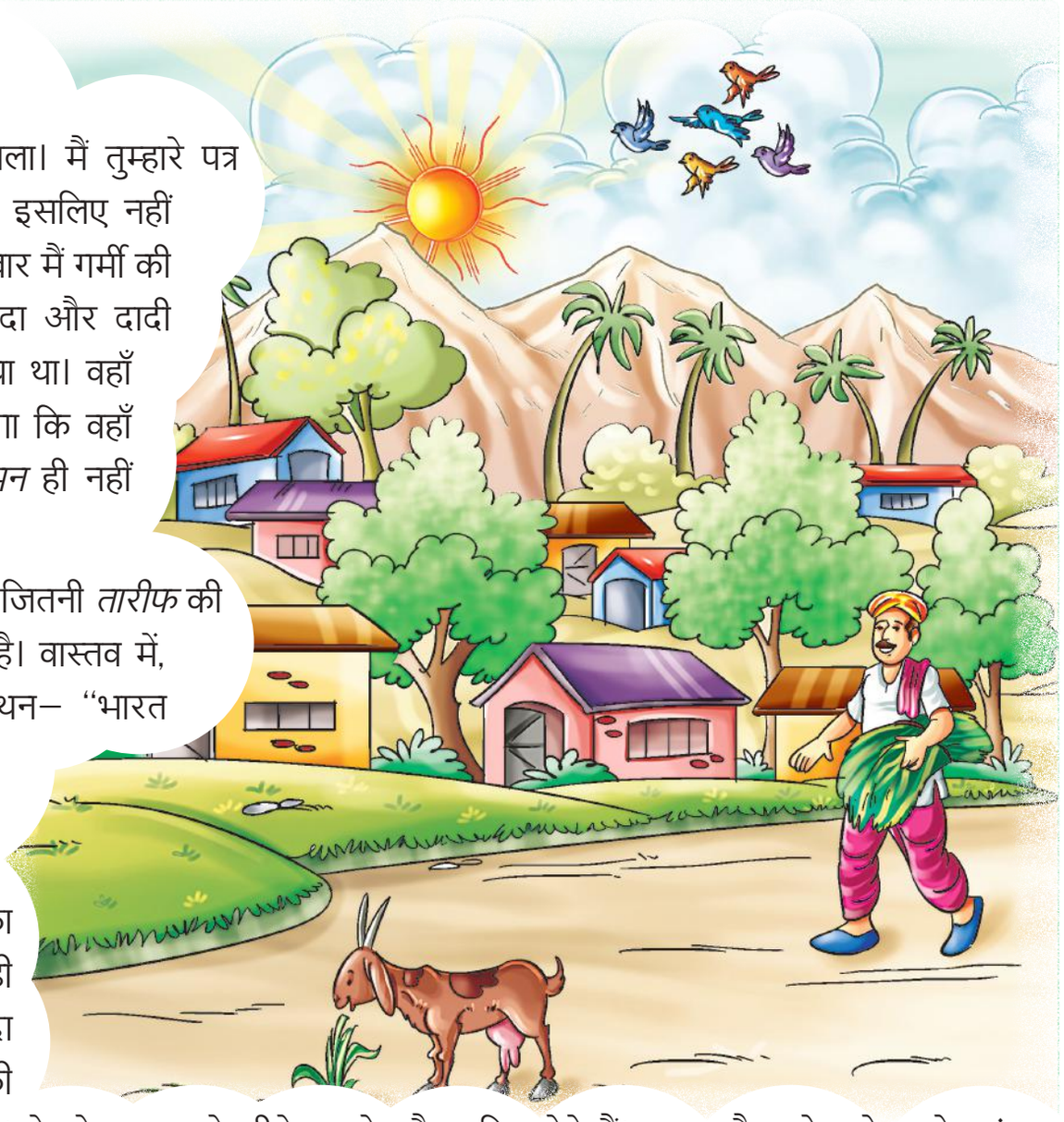

ग्रामीण लोग अधिक पैसा *व्यर्थ* में व्यय नहीं करते। उन्हें रूखा-सूखा जो भी मिल जाए, खा लेते हैं। मोटा और सस्ता कपड़ा पहनते हैं। यहाँ के लोग प्रातःकाल *सूर्योदय* से पहले जाग जाते हैं। दिन-भर खेतों में *कड़ी* मेहनत करते हैं।

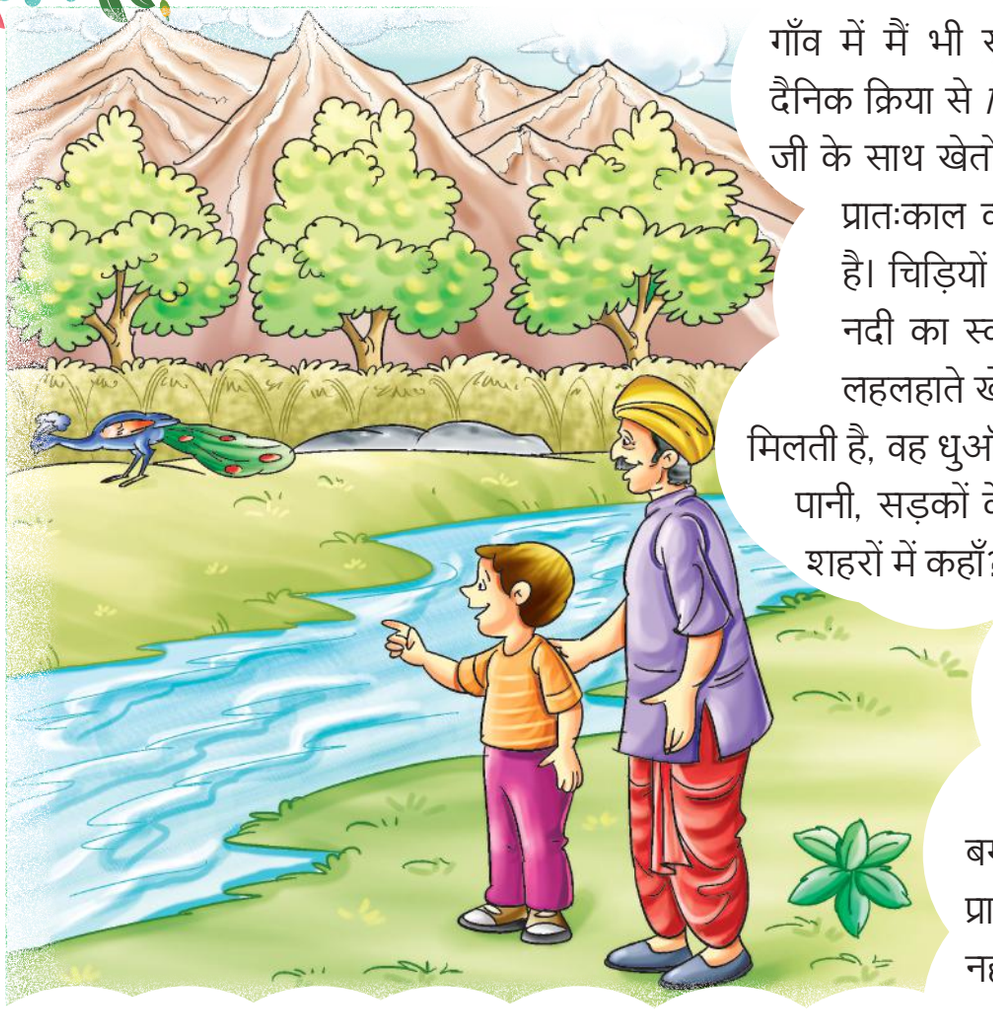

गाँव में मैं भी सुबह जल्दी उठ जाता था, फिर दैनिक क्रिया से *निवृत्त* होकर दूध पीता और चाचा जी के साथ खेतों की ओर निकल पड़ता था। यहाँ प्रातःकाल का मौसम बहुत ही सुहावना होता है। चिड़ियों की चहचहाहट, कल-कल करती नदी का स्वर, दूर तक फैली *हरीतिमा* और लहलहाते खेतों से जो आत्मसंतोष और खुशी मिलती है, वह धुआँ उगलती चिमनियों, क्लोरीन मिले पानी, सड़कों के *कोलाहल* और दूषित हवा वाले शहरों में कहाँ? कंकरीट के जंगल ने हमारा सारा प्राकृतिक वातावरण समाप्त कर दिया है। गाँव में ही मैंने प्रकृति का शुद्ध रूप देखा। सचमुच जो आनंद मुझे यहाँ के बाग-बगीचों और कच्चे लिपे-पुते घरों से प्राप्त हुआ, वह शहर में कभी प्राप्त नहीं हुआ।

गाँव में थोड़े ही दिन रहकर मैंने यह अनुभव किया कि जो किसान दिन-रात मेहनत करके हमारे लिए अनाज पैदा करते हैं, वे सही जानकारी के अभाव में अपनी मेहनत का पूरा पैसा नहीं ले पा रहे हैं। वहाँ जो तरक्की होनी चाहिए, शिक्षा के अभाव में नहीं हो पा रही है। भोले-भाले किसानों को महाजनों एवं *मुनाफाखोर* व्यापारियों के शोषण का शिकार होना पड़ता है। गाँवों के अस्पतालों और विद्यालयों में सुविधाओं का अभाव है। नए रोजगार की खोज में ग्रामीण लोग शहर की ओर भाग रहे हैं।

गाँव की ऐसी दशा देखकर मेरा मन *द्रवित* हो उठा। मैंने अपने मन में यह *संकल्प* लिया है कि बड़ा होकर मैं *डॉक्टर* बनूँगा। गाँव में एक *क्लीनिक* खोलूँगा और जन-सेवा करूँगा।

अच्छा मित्र! अब लिखना बंद करता हूँ। पूजनीय चाचा जी और चाची जी को मेरा प्रणाम कहना।

तुम्हारा मित्र,

हिमांशु

शब्द-अर्थ

सप्रेम — प्रेम के साथ *(with love)*,

मन — हृदय *(heart)*,

शीघ्रता — जल्दी *(immediately)*,

ग्राम्य — गाँव का *(of village)*,

तारीफ — प्रशंसा *(praise)*,
अतिथि — मेहमान *(guest)*,
व्यर्थ — बेकार *(waste)*,
कड़ी — कठोर *(strict)*,
हरीतिमा — हरियाली *(greenery)*,
मुनाफाखोर — सूद लेने वाले *(usurer)*,
संकल्प — प्रण *(promise)*,
अनुभव — एहसास *(experience)*,
सत्कार — आवभगत *(hospitality)*,
सूर्योदय — सूर्य का उदय होना *(sunrise)*,
निवृत्त — निपटकर, पूरा करके *(completed)*,
कोलाहल — शोर *(noiseful)*,
द्रवित — भावुक *(sentimental)*,
डॉक्टर — चिकित्सक *(doctor)*,
क्लीनिक — वह स्थान, जहाँ डॉक्टर मरीज को देखता है और दवा देता है *(clinic)*।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

ग्राम्य	बिलकुल	स्नेह	छल-कपट	आत्म-संतोष
संकल्प	द्रवित	मन	व्यर्थ	शीघ्रता

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) यह पत्र कौन तथा किसे लिख रहा है?

(ख) इस पत्र में किसका वर्णन है?

(ग) गांधी जी के अनुसार भारत कहाँ बसता है?

(घ) ग्रामीण लोगों को शहर क्यों आना पड़ता है?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) हिमांशु के मित्र का क्या नाम था?

☐ दिपांशु ☐ गोदांशु ☐ सुदांशु

(ख) पत्र में किसका जिक्र किया गया है?

☐ वन्य जीवन का ☐ शहरी जीवन का ☐ ग्राम्य जीवन का

(ग) गाँव के लोग कैसे होते हैं?

☐ ईमानदार ☐ आवभगत करने वाले ☐ ये दोनों

(घ) हिमांशु छुट्टियों में किसके पास गया था?

☐ नाना-नानी के ☐ दादा-दादी के ☐ मौसा-मौसी के

2. वाक्यों को पूरा कीजिए–

(क) भारत ..... में बसता है।

(ख) ..... अपनी दादी के घर गया।

(ग) ..... के कारण किसानों का शोषण होता है।

(घ) गाँवों के अस्पतालों में ..... का अभाव है।

(ङ) गाँव में मैं एक ..... खोलकर जन-सेवा करूँगा।

3. शब्दों को उनके अर्थों से मिलाइए–

शब्द	अर्थ
(क) अतिथि	(i) भावुक
(ख) सत्कार	(ii) मेहमान
(ग) व्यर्थ	(iii) आवभगत
(घ) हरीतिमा	(iv) बेकार
(ङ) द्रवित	(v) हरियाली

4. सही वाक्यों के सामने (✓) तथा गलत वाक्यों के सामने (✗) का निशान लगाइए–

(क) गाँव में ही मैंने प्रकृति का शुद्ध रूप देखा। ☐

(ख) गाँव के लोग सूर्योदय से पहले ही जाग जाते हैं। ☐

(ग) गाँव के लोग दिन-भर खेतों में आराम करते हैं। ☐

(घ) गाँव की तरक्की शिक्षा के अभाव में नहीं हो पा रही है। ☐

(ङ) कंकरीट के जंगल ने हमारा सारा प्राकृतिक वातावरण समाप्त कर दिया है। ☐

5. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

(क) भारत गाँवों में बसता है।

.....

.....

(ख) सादा जीवन उच्च विचार।

.....

.....

(ग) कंकरीट के जंगल ने हमारा प्राकृतिक वातावरण समाप्त कर दिया है।

.....

.....

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) हिमांशु अपने मित्र को पत्र का जवाब शीघ्रता से क्यों नहीं दे सका?

(ख) गाँववालों के स्वभाव के बारे में बताइए।

(ग) हिमांशु अपना दिन गाँव में कैसे व्यतीत करता था?

(घ) आजकल ग्रामीण लोग शहर की ओर क्यों भाग रहे हैं?

(ङ) गाँव की तरक्की न होने का मुख्य कारण क्या है?

भाषा-ज्ञान

1. पाठ में आए कोई तीन विशेषण और भाववाचक संज्ञा शब्दों को दिए गए स्थान पर छाँटकर लिखिए–

विशेषण	भाववाचक संज्ञा
_____	_____
_____	_____
_____	_____

2. नीचे दिए गए चित्रों को पहचानकर उनके दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

....

....

....

3. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

'कि' शब्द दो वाक्यांशों को जोड़ता है, जबकि 'की' शब्द दो संज्ञा शब्दों को जोड़ता है।

उदाहरण — माँ ने कहा था **कि** तुम घर जल्दी आकर घर **की** सफाई करना।

अब आप इस तरह के अन्य तीन वाक्य लिखिए–

(क) .....

(ख) .....

(ग) .....

क्रियात्मक गतिविधि

- गाँव व शहर के जीवन में क्या अंतर हैं? नीचे दिए गए स्थान पर वाक्यों के रूप में लिखिए–

गाँव का जीवन	शहर का जीवन
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

- आप अपने आसपास के वातावरण को किस प्रकार शुद्ध रख सकेंगे? नीचे दिए गए स्थान पर लिखिए–

.....

.....

.....

.....

- नीचे दिए गए ग्राम्य दृश्य में रंग भरिए–